M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

# दैनिक धनुषधारी

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-33, अंक 280, उल्हासनगर, रविवार 25 अक्टूबर 2026 ( पृष्ठ 6 )
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
*RNI No. 68359/93,*

dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

## उल्हासनगर : सत्ताधारी नेताओं के आपसी मतभेदों की बलि चढ़ रहा शहर का विकास!

उल्हासनगर (नि.स.)। चार साल के लंबे प्रशासनिक राज के बाद शहरवासियों ने इस उम्मीद के साथ अपने जनप्रतिनिधियों को चुनकर महानगरपालिका की सत्ता सौंपी थी कि अब शहर की बुनियादी समस्याओं का समाधान होगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी, लेकिन चुनाव के करीब नौ महीने बाद भी शहर की तस्वीर में अपेक्षित बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है। उल्टे, सत्तारूढ़ शिवसेना और भाजपा के बीच बढ़ते मतभेद, राजनीतिक खींचतान और श्रेय लेने की होड़ ने शहर के विकास को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैरानी की बात यह भी सामने आयी है कि चुनाव के बाद से अब तक विकास कार्यों के लिए नए निर्वाचित नगरसेवकों को कोई निधि आवंटित नहीं की गई है।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा उन गिनी चुनी मनपाओं में से एक होगी जिसमें विरोधी पक्ष में मात्र एक नगरसेवक है बाकी सभी नगरसेवक सत्ता में है। इसके बावजूद सत्ताधारी दोनों प्रमुख दलों के बीच राजनीतिक टकराव लगातार चर्चा में है। सात स्वीकृत नगरसेवकों की नियुक्ति को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक प्रतिष्ठा का मुद्दा बन चुका है। एक अक्टूबर को हुई नियुक्ति प्रक्रिया में शिवसेना के पांच और भाजपा के दो नाम सामने आने के बाद दोनों दलों के बीच विवाद और गहरा गया। मामला न्यायालय तक पहुंचने के साथ स्थानीय गठबंधन में भी दरार सार्वजनिक हो गई। शहर में विभिन्न विकास योजनाओं, निधियों और परियोजनाओं को लेकर घोषणाएं होती रही हैं। कई कार्यों का श्रेय लेने के लिए राजनीतिक स्तर पर प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है। लेकिन सवाल यह है कि इन घोषणाओं का लाभ जमीन पर कितना पहुंचा? उल्हासनगर में सड़कों की बदहाल स्थिति, यातायात की समस्या, अनियमित जलापूर्ति, खतरनाक इमारतों का पुनर्विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी अनेक चुनौतियां अब भी शहरवासियों के सामने हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए योजनाबद्ध प्रयास और विभागों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। केवल घोषणाओं और राजनीतिक दावों से शहर की स्थिति नहीं बदल सकती।

शहर में कई जगहों पर पाइपलाइन, ड्रेनेज, सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों के समन्वय का मुद्दा भी गंभीर है। कई स्थानों पर एक विभाग या एजेंसी द्वारा सड़क का काम पूरा किए जाने के बाद दूसरी एजेंसी उसी सड़क को किसी अन्य काम के लिए खोद दे रही है, जोकि शहरवासियों के लिए परेशानी साबित हो रहै है। यदि विभिन्न विभागों और संबंधित कंपनियों के बीच काम शुरू करने से पहले उचित समन्वय हो, तो एक ही सड़क को बार-बार खोदने की नौबत काफी हद तक टाली जा सकती है। ऐसे मुद्दों पर ध्यान न देते हुए नेता बस एक दूसरे पर निशाना साधने में लगे हुए है। इन दिनों महानगरपालिका में राजनीतिक विवादों के बीच प्रशासनिक कामकाज को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पिछले कुछ समय से भाजपा-शिवसेना नेताओं के आपसी विवादों के बीच खुद को फँसता हुआ देख मनपा के कई वरिष्ठ अधिकारी बैठकों और प्रशासनिक कामकाज से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं, जिससे महानगरपालिका के कामकाज और विकास कार्यों के क्रियान्वयन पर भी असर पड़ रहा है। चार साल के प्रशासनिक राज के दौरान शहर के सामने खड़ी हुई चुनौतियों के बाद लोगों को उम्मीद थी कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के आने से प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी। लेकिन वर्तमान परिस्थितियां इसके बिल्कुल विपरीत नजर आ रही हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि सत्ताधारियों की यह आपसी खींचतान आखिर कब तक जारी रहती है और इसके चलते शहर के विकास की कितनी और बलि चढ़ती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि राजनीतिक वर्चस्व की इस लड़ाई का खामियाजा आखिर कब तक उल्हासनगर की जनता को भुगतना पड़ेगा?

## उल्हासनगर मनपा का वर्धापन दिन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर मनपा का वर्धापन दिन 21 और 22 अक्टूबर को विभिन्न सांस्कृतिक, खेलकूद और मनोरंजनात्मक गतिविधियों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मनपा मुख्यालय में दीप प्रज्वलन एवं रंगोली प्रतियोगिता के साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में मनपा के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वर्धापन दिन के अवसर पर 21 अक्टूबर को खेल एवं सांस्कृतिक विभाग की सभापति प्रीति माखीजा की पहल से मनपा मुख्यालय, उल्हासनगर-3 में दीप प्रज्वलन और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जनसंपर्क अधिकारी प्राजक्ता कुलकर्णी ने कार्यक्रम का संचालन किया और मनपा के वर्धापन दिन के महत्व की जानकारी दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मनपा के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें आठ प्रतिभागियों ने आकर्षक रंगोलियां बनाईं। कर्मचारियों की भागीदारी से कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। वर्धापन दिन के दूसरे दिन, 22 अक्टूबर को मनपा मुख्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेलकूद एवं मनोरंजनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम में महापौर अश्विनी निकम उपस्थित रहीं। उन्होंने स्वयं विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

प्रतियोगिताओं में कैरम में 49, शतरंज में 25, चम्मच-नींबू दौड़ में 42, म्यूजिकल चेयर में 65, निबंध लेखन में 22, बोरी दौड़ में सात और सुई-धागा प्रतियोगिता में 12 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विशेष बात यह रही कि म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में पुरुष कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुई-धागा प्रतियोगिता में महापौर अश्विनी निकम ने प्रथम स्थान हासिल किया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से मनपा कर्मचारियों को नियमित कामकाज से अलग मनोरंजन का अवसर मिला और आपसी मेलजोल को बढ़ावा मिला। इस प्रकार उल्हासनगर महानगरपालिका का वर्धापन दिन सांस्कृतिक गतिविधियों, खेल प्रतियोगिताओं और मनोरंजनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से उत्साहपूर्वक मनाया गया।

## ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई से उल्हासनगर के व्यापार पर पड़ रहा असर -नानिक आहूजा

उल्हासनगर (नि.स.)। शहर में ट्रैफिक नियंत्रण के लिए की जा रही पुलिस कार्रवाई के बीच व्यापारी नेता नानिक आहूजा ने व्यापारियों और ग्राहकों को हो रही परेशानियों पर चिंता जताई है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रभावित होने से बचाने के लिए उचित समाधान निकाला जाए। नानिक आहूजा के अनुसार, ऑनलाइन कारोबार के बढ़ते प्रभाव के कारण पहले से ही व्यापार की स्थिति प्रभावित हो रही है। ऐसे में ट्रैफिक संबंधी परेशानियों के कारण व्यापारियों को अतिरिक्त मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले ग्राहकों को बाजार तक आसानी से पहुंचने की सुविधा मिलनी चाहिए, ताकि व्यापारी अपना कारोबार सुचारु रूप से चला सकें।

उन्होंने ट्रैफिक पुलिस विभाग से ऐसी व्यवस्था तैयार करने की मांग की, जिससे यातायात पर नियंत्रण बनाए रखने के साथ बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही भी सुगम हो। उनके मुताबिक, ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है, लेकिन इसके साथ व्यापारियों और आम नागरिकों की समस्याओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। नानिक आहूजा ने प्रशासन से इस मुद्दे पर व्यावहारिक समाधान निकालने की अपील करते हुए कहा कि शहर के व्यापार को बचाए रखने के लिए व्यापारियों के हितों और यातायात व्यवस्था के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'उल्हासनगर का व्यापार बचेगा, तो उल्हासनगर बचेगा।'

## एसएसटी कॉलेज का डंका! रुद्र सूर्यवंशी का पश्चिम क्षेत्रीय पूर्व-संचलन शिविर के लिए चयन

उल्हासनगर (नि.स.)। एसएसटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विभाग ने गौरवपूर्ण सफलता हासिल की है। महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक रुद्र सूर्यवंशी का हैदराबाद स्थित अनुराग विश्वविद्यालय में आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय गणतंत्र दिवस पूर्व-संचलन शिविर के लिए चयन हुआ है। विशेष रूप से, जीवन विचारे का महाराष्ट्र दल के दलप्रमुख के रूप में चयन होने से महाविद्यालय की उपलब्धियों में एक और गौरव जुड़ गया है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस पूर्व-संचलन चयन शिविर से राज्य के 74 एनएसएस स्वयंसेवकों का चयन किया गया। इन चयनित स्वयंसेवकों में रुद्र सूर्यवंशी ने स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय

### जीवन विचारे करेंगे महाराष्ट्र दल का नेतृत्व

के गौरव में वृद्धि की है। उसके इस चयन से महाविद्यालय के एनएसएस विभाग के उल्लेखनीय प्रदर्शन को रेखांकित किया गया है। इस बीच, प्रा जीवन विचारे को महाराष्ट्र के एनएसएस दल का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिष्ठित शिविर में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले दल का नेतृत्व करने का अवसर मिलना महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है। रुद्र के चयन और प्रा जीवन विचारे की दलप्रमुख के रूप में नियुक्ति से एसएसटी कॉलेज के सामाजिक कार्य, अनुशासन और राष्ट्रसेवा संबंधी गतिविधियों को नई प्रेरणा मिली है। इस सफलता से महाविद्यालय के विद्यार्थियों में नेतृत्वगुण, सामाजिक प्रतिबद्धता और देशसेवा की भावना को और अधिक मजबूत करने में सहायता मिलेगी। इस उल्लेखनीय सफलता के लिए दोनों का सभी स्तरों पर अभिनंदन किया जा रहा है। आगामी शिविर में वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाराष्ट्र के साथ-साथ एसएसटी कॉलेज का नाम रोशन करें, ऐसी शुभकामनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

## सड़क के बीचोंबीच बिजली के खंभे, हादसों को दे रहे न्यौता

अंबरनाथ (नि.स.)। अंबरनाथ पश्चिम में कल्याण-कर्जत राज्य महामार्ग पर अंबरनाथ पुलिस स्टेशन से फॉरेस्ट नाका तक सड़क के बीचोंबीच खड़े बिजली के खंभे वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। पिछले कई महीनों से इन खंभों को हटाने का काम धीमी गति से चल रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। महावितरण प्रशासन इन खंभों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करे, ऐसी जोरदार मांग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अंबरनाथ शहर अध्यक्ष एम. डी. सलीम खान ने की है। अंबरनाथ पश्चिम के इस व्यस्त मार्ग पर सड़क के बीचोंबीच कई बिजली के खंभे अब भी खड़े हैं। इसके कारण यातायात में भारी बाधा उत्पन्न हो रही है।

वाहन चालकों को इन खंभों से बचकर निकलने के लिए अपने वाहनों को मोड़ना पड़ता है। इससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय स्तर पर इन खंभों के कारण पहले भी छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होने की बात सामने आई है। ऐसे में किसी बड़ी दुर्घटना या जनहानि से पहले प्रशासन को इस समस्या का समाधान करना जरूरी है। इस गंभीर समस्या की ओर महावितरण प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए एम. डी. सलीम खान ने कल महावितरण के कार्यकारी अभियंता को लिखित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में संबंधित सड़क का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर बीच सड़क पर खड़े बिजली के खंभों को जल्द से जल्द हटाकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की गई है। खान ने कहा कि कल्याण-कर्जत राज्य महामार्ग पर यातायात का दबाव काफी अधिक रहता है। ऐसे में सड़क के बीचोंबीच बिजली के खंभे बने रहना वाहन चालकों और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। प्रशासन को इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने महावितरण से खंभों को स्थानांतरित करने का काम युद्धस्तर पर पूरा करने की अपील की, ताकि यातायात सुचारु हो सके और संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इस अवसर पर अमित कीर्तिकर, मो. उमर, खान अकरम, राजन, नूर रहमान सहित कई नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित थे। अब देखना यह है कि महावितरण प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी जल्दी कार्रवाई करता है और वाहन चालकों को दुर्घटनाओं के खतरे से कब राहत मिलती है।

## महावितरण के ट्रांसफार्मर से 430 लीटर तेल चोरी

अंबरनाथ (नि.स.)। अंबरनाथ पश्चिम के चिखलोली एमआईडीसी क्षेत्र में चोरों ने बिजली के ट्रांसफार्मर को निशाना बनाते हुए उसमें से 430 लीटर तेल चोरी कर लिया। चोरी किए गए तेल की कीमत 38,700 रुपये बताई गई है। इस घटना के सामने आने के बाद औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। अंबरनाथ पश्चिम पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह वारदात अंबरनाथ पश्चिम स्थित चिखलोली एमआईडीसी में प्लॉट नंबर एमएस-171 पर जीएम इंडस्ट्रीज के सामने हुई। यहां स्थापित 200 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर (क्रमांक 4175758) से अज्ञात चोर ने तेल निकाल लिया। आरोपी ने किसी औजार की मदद से ट्रांसफार्मर का कॉक तोड़कर उसमें से करीब 430 लीटर तेल चोरी किया। घटना 18 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे से पहले की बताई जा रही है। चोरी हुए तेल की कुल कीमत 38,700 रुपये आंकी गई है।

ट्रांसफार्मर जैसे महत्वपूर्ण विद्युत उपकरण से बड़ी मात्रा में तेल चोरी होने की घटना ने औद्योगिक परिसर में निगरानी और सुरक्षा के इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में वैभव रघुनाथ भोईर (42) की शिकायत पर अंबरनाथ पश्चिम पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात को किसने अंजाम दिया और चोरी किए गए तेल को कहां ले जाया गया। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक सुभाष पानसरे कर रहे हैं।

## सरकार एकल महिलाओं के लिए लाएगी नई योजना

### लाडली बहन योजना की तर्ज पर पहल की तैयारी

मुंबई (नि.स.)। मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना की लोकप्रियता के बाद अब सरकार एकल महिलाओं के लिए अलग योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है। इस योजना का उद्देश्य उन महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो पति के निधन, तलाक या अन्य कारणों से अकेले अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील ने एक कार्यक्रम के दौरान इस प्रस्तावित योजना की प्राथमिक जानकारी दी। एकल महिलाओं के लिए नई योजना लाने की तैयारी को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, योजना की अंतिम रूपरेखा और लाभों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है।

**- 12 लाख से अधिक एकल महिलाओं को मिल सकता है लाभ**

राज्य सरकार फिलहाल महाराष्ट्र में एकल महिलाओं की संख्या का आंकड़ा जुटा रही है। शुरुआती अनुमान के अनुसार, राज्य में 12 लाख से अधिक एकल महिलाएं हो सकती हैं। इनमें विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता और आजीवन अविवाहित महिलाएं शामिल हो सकती हैं। इनमें से कई महिलाएं अपने बच्चों की पढ़ाई, घर के खर्च और परिवार की आजीविका की पूरी जिम्मेदारी अकेले निभा रही हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद वे मेहनत करके परिवार का भरण-पोषण करती हैं। ऐसी महिलाओं को आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना प्रस्तावित योजना का प्रमुख उद्देश्य बताया जा रहा है।

संपादकीय

## खेलों में पदक चाहिए, तो जवाबदेही भी तय करनी होगी

देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। एशियाई खेलों में एथलेटिक्स और बैडमिंटन जैसे खेलों में अपेक्षित पदक नहीं मिले, तो खेल मंत्रालय समीक्षा बैठक करता है। पिछली एशियाई खेलों के मुकाबले इस बार पदकों की संख्या में कमी निश्चित रूप से चिंता का मामला है। मगर क्या कभी उन लोगों की जवाबदेही भी तय होती है, जिनके हाथों में खेलों का प्रशासन है? खिलाड़ियों से पदक जीतने की अपेक्षा की जाती है, तो क्या खेल संगठनों के पदाधिकारियों से नतीजों का हिसाब मांगा जाता है?देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। प्रशासनिक अनुभव जरूरी है, लेकिन खेल की बारीकियों, खिलाड़ियों की समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों की समझ भी नेतृत्व की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विडंबना है कि खिलाड़ियों के भविष्य से जुड़े फैसले लेने वाली व्यवस्था में कई बार उनकी आवाज कमजोर पड़ जाती है। सवाल है कि पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा और जवाबदेही तय करने का प्रभावी तंत्र क्यों नहीं है? जब पद प्रतिष्ठा व प्रभाव का माध्यम बन जाएं, तो खेल हित का पीछे छूटना लाजिमी है।दूसरी बड़ी चुनौती प्रतिभाओं की खोज है। गांवों और छोटे कस्बों में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो उचित प्रशिक्षण, उपकरण और अवसर मिलने पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर सकते हैं। मगर प्रतिभाओं की पहचान अगर संयोग पर निर्भर हो, तो यह व्यवस्था की विफलता है। कितने ही संभावित और बेहतरीन खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में खेल छोड़ देते हैं। कितनों को केवल इसलिए अवसर नहीं मिलता कि उनके पास उच्च संपर्क नहीं हैं। प्रतिभा को शुरुआती स्तर पर पहचानने और उसे निखारने की व्यवस्थित पहल के बिना पदक बढ़ाने के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे।खेलों में सुधार के लिए बजट और घोषणाओं से आगे बढ़ना होगा। खेल संगठनों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति और प्रतिभा खोज की जवाबदेह व्यवस्था बनानी होगी। मंत्रालय को समीक्षा बैठकों के निष्कर्षों पर कार्रवाई का हिसाब भी सार्वजनिक करना चाहिए। जब तक खेल व्यवस्था में खिलाड़ी सर्वोपरि नहीं होंगे, तब तक पदक की महत्त्वाकांक्षा और उपलब्धियों के बीच की दूरी बनी रहेगी।

संपादक, टीकम लालवानी

# कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता

(महेन्द्र तिवारी)

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियां इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा।

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं।

इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियां ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महंगे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियां चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियां इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है। अमेरिकी कंपनी कोरवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएं उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बढ़ गया। इससे निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उसके पास भविष्य में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है।

यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं। किसी कंपनी को कर्मचारियों के वेतन, बिजली, उपकरणों, ब्याज और ऋण की किस्तों का भुगतान लगातार करना पड़ता है। यदि आय आने में देरी होती है, तो अच्छे अनुबंध होने के बावजूद वित्तीय दबाव पैदा हो सकता है। इसके विपरीत, यदि मांग मजबूत रहती है और कंपनी अपने अनुबंधों को वास्तविक आय में बदल पाती है, तो भारी निवेश लाभदायक भी साबित हो सकता है। इसलिए किसी कंपनी के शेयरों में गिरावट को उसके कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण मानना उचित नहीं है।

इस घटनाक्रम ने सरकारी बांडों की भूमिका को भी फिर चर्चा में ला दिया है। जब निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक जोखिम दिखाई देता है, तब वे अपनी पूंजी का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में लगाते हैं। इससे इन बांडों की मांग बढ़ सकती है और उनकी कीमतों में तेजी आ सकती है। सामान्यतः बांड की कीमत और उससे मिलने वाला प्रतिफल विपरीत दिशा में चलते हैं। 15 अक्टूबर को वैश्विक बाजारों में सरकारी बांडों की ओर बढ़ते रुझान को इसी संदर्भ में देखा गया। हालांकि सरकारी बांड भी ब्याज दरों में बदलाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें हर परिस्थिति में पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं माना जा सकता।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्तमान विस्तार किसी आर्थिक बुलबुले का रूप ले रहा है। आर्थिक बुलबुले की स्थिति तब बन सकती है, जब किसी परिसंपत्ति का बाजार मूल्य उसकी वास्तविक कमाई और दीर्घकालीन संभावनाओं से बहुत आगे निकल जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में कुछ कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन, भारी कर्ज और भविष्य की आय को लेकर अनिश्चितता ने इस आशंका को बढ़ाया है। फिर भी पूरे उद्योग को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। कुछ कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी, मजबूत ग्राहक आधार और विविध कारोबार हैं, जबकि कुछ कंपनियां विस्तार के लिए लगातार कर्ज पर निर्भर हैं। दोनों की वित्तीय स्थिति और जोखिम अलग-अलग हैं।

इसका भारत पर भी प्रभाव पड़ सकता है। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ने पर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से भी पूंजी निकाल सकते हैं। इससे शेयरों की कीमतों और रुपये में उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका रहती है। दूसरी ओर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए नई संभावनाएं भी पैदा हो सकती हैं। आंकड़ा प्रबंधन, तकनीकी सेवाओं, साइबर सुरक्षा और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने के क्षेत्र में भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। लेकिन इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास, अनुसंधान, बिजली की उपलब्धता और तकनीकी ढांचे में निवेश जरूरी होगा।

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े प्रतिष्ठानों का विस्तार करते समय भी वित्तीय अनुशासन का ध्यान रखना होगा। केवल भविष्य की मांग के अनुमान पर भारी कर्ज लेकर विशाल आंकड़ा केंद्र तैयार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। निवेश का आधार वास्तविक ग्राहक मांग, संभावित आय और दीर्घकालीन आर्थिक उपयोगिता होनी चाहिए। सरकार और उद्योग को यह भी देखना होगा कि इन प्रतिष्ठानों की बिजली तथा पानी की जरूरतें किस प्रकार पूरी की जाएंगी और उनका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

# भोजन की बर्बादी से निपटने की वैश्विक चुनौती?

(डॉ. रमेश ठाकुर)

तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है।

भोजन मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा, प्रत्येक इंसान का बुनियादी अधिकार भी है। भोजन अनमोल है जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। आज 'विश्व खाद्य दिवस' है जो सालाना 16 अक्टूबर को पूरे संसार में इस मकसद से हर बार मनाया जाता है कि अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाए। नवंबर 1979 को संयुक्त राष्ट् के खाद्य एवं कृषि संगठन के 20वें सम्मेलन में खाद्य दिवस को मनाने का निर्णय हुआ जिसका पहली बार आयोजन वर्ष 1981 में हुआ। दुनिया में भूख से बढ़ते कुपोषण पर नियंत्रण को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक संघों को चेताया था। ये दिवस इस बात पर ज्यादा जोर देता है कि हमें थाली में उतना ही भोजन परोसना चाहिए, जितने की पेट को जरूरत हो। ज्यादा भोजन लेंगे तो निश्चित रूप से बर्बाद ही होगा। फूड इंडेक्स पर यूएनईपी-2024 की रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान में सालाना करीब 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है, जिसका औसत लगभग 21.4 करोड़ किलोग्राम प्रतिदिन आंका गया। विश्व खाद दिवस-2025 की थीम थी 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ' जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है। भोजन बर्बादी की समस्या संसार में बड़ी आफत के रूप में उभरी है। ऐसे तमाम मुल्क हैं जहां अन्न का उत्पादन शून्य है और दूसरे देशों के उत्पाद-भोजन पर ही निर्भर हैं, बावजूद इसके बेहताशा भोजन बर्बाद करते हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की 'फूडवेस्टाइज इंडेक्स रिपोर्ट-2026' सामने आई जिसमें दुनिया भर में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद होता बताया गया जिससे नई किस्म की न सिर्फ बीमारियां-वायरस फैले, बल्कि पर्यावरण भी दूषित हुआ। भारत में पिछले 10 वर्षों में अन्न उत्पादन 90 मिलियन मीट्रिक टन पिछले एक दशक से ज्यादा हुआ है। धरती पर मात्र भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो करीब 76 देशों को विभिन्न किस्म का अन्न सप्लाई करता है जिसमें चीनी, दालें, चावल, मखाने, सरसों और सब्जियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है। वर्ष 2014 के बाद से हिंदुस्तान शहद, अंडे, मछलियां और फल-सब्जियों के उत्पादन में दूसरे स्थान पर काबिज हुआ है। जबकि, कभी चौथे स्थान पर हुआ करता था। भूखे सोना विकसित संसार के माथे पर कलंक जैसा है। भूख के आंकड़े आज भी डरावने हैं। संसार का एक बड़ा इंसानी हिस्सा अभी भी रात में भूखे पेट सोता है। जबकि, रोजाना जितनी भोजन की बर्बादी होती है, थालियों में खाने को व्यर्थ करके लोग फेंक देते हैं, अगर ऐसा ना किया जाए, तो भूखे सोने वालों के आंकड़ों में कमी लाई जा सकती है।

अध्यात्म

## जल्दी सफलता पाने का लालच इंसान को गलत रास्ते पर ले जा सकता है

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक गांव में रहने वाला एक किसान बहुत परेशान था। मेहनत करने के बाद भी उसे सफलता नहीं मिल रही थी। कभी आर्थिक संकट, कभी पारिवारिक तनाव और कभी अधूरे काम, इन सबने उसे अंदर से तोड़ दिया था। वह सपने देखता, लक्ष्य बनाता, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण उसका ध्यान भटक जाता और काम अधूरा रह जाता। एक दिन वह गांव के बाहर रहने वाले एक ज्ञानी संत के पास पहुंचा। किसान ने विनम्रता से कहा, 'गुरुदेव, मैं मेहनत तो बहुत करता हूं, लेकिन अपने लक्ष्य तक पहुंच नहीं पाता। कभी इधर-उधर के कामों में उलझ जाता हूं, तो कभी लालच और छोटी-छोटी बातों में समय बर्बाद हो जाता है। कृपया मुझे कोई मार्ग बताइए, जिससे मुझे सफलता मिल सके।' संत मुस्कुराए और बोले, 'मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा, वहीं तुम्हें तुम्हारी समस्या का समाधान बता दूंगा।' अगले दिन संत किसान के घर पहुंचे। किसान उस समय खेत पर गया हुआ था। उसकी पत्नी ने संत का आदर-सत्कार किया और बेटे को किसान को बुलाने भेजा। थोड़ी देर बाद किसान घर लौटा। उसके साथ उसका पालतू कुत्ता भी था, जो बहुत जोर-जोर से हांफ रहा था। संत ने आश्चर्य से पूछा, 'तुम्हारा खेत क्या बहुत दूर है?' किसान बोला, 'नहीं गुरुदेव, खेत तो पास ही है।' संत ने फिर पूछा, 'फिर तुम बिल्कुल शांत और सामान्य हो, जबकि तुम्हारा कुत्ता इतना थका हुआ क्यों है?' किसान हंसते हुए बोला, 'गुरुदेव, मैं तो सीधे रास्ते से चला आया, लेकिन यह कुत्ता रास्ते में आने वाले हर दूसरे कुत्ते पर भौंकता, उन्हें भगाने दौड़ता और इधर-उधर भटकता रहा। इसी वजह से यह बहुत थक गया है। '

संत मुस्कुराए और बोले, 'यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है। तुम भी अपने लक्ष्य की ओर काम करते समय हर छोटी बात, लालच, दूसरों की बातों और व्यर्थ के कामों में उलझ जाते हो। जो व्यक्ति अपने रास्ते से भटकता है, उसकी ऊर्जा व्यर्थ खर्च हो जाती है और वह मंजिल तक नहीं पहुंच पाता।' संत की बात किसान को समझ आ गई। उस दिन उसने समझ लिया कि सफलता केवल मेहनत से नहीं, बल्कि सही दिशा में लगातार आगे बढ़ने से मिलती है। जिस व्यक्ति को अपनी मंजिल साफ दिखाई देती है, वह रास्ते की रुकावटों से नहीं डरता। हर स्थिति अपना लक्ष्य के लिए स्पष्टता रखें।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

## वर्ग पहेली 6007

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | | 4 | | 5 | |
| 6 | | | | | | | |
| | | 7 | 8 | | 9 | | 10 |
| 11 | | | | | 12 | | |
| | | 13 | | 14 | | | |
| 15 | 16 | | | 17 | | 18 | |
| 19 | | | 20 | | 21 | | 22 |
| | 23 | | | | | | |

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. भारतीय जनसंघ के संस्थापाक जो प्रमुख शिक्षाविद चिंतक थे (निधन 23 जनू 1953)(8)
6. प्रसिद्ध द्वादश-ज्योतिर्लिंगों में एक मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
7. धीरे-धीरे अपने स्थान से हटना, खिसकना, रेंगना (4)
11. दिनपति, भास्कर, सूर्य, दिनकर (2)
12. बिना पकी भोजन सामग्री (3)
13. सहयोग, मदद (4)
15. शोभा, कांति, छवि (2)
17. पुत्र सहित (3)
19. आमोद-प्रमोद के लिए बनाई गई संस्था (2)
21. दही या छाछ में साग या अन्य खाद्य पदार्थो के छोटे पदार्थों के बारीक टुकड़े मिलाकर बनाया गया खाद्य पदार्थ (3)
23. आराम, सुख, चैन, करार (3)

**ऊपर से नीचे**

1. ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के बेटे थे जो मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके थे (7)
2. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन (2)
3. विदेश जाकर रहना, परदेश जाना (3)
4. दरवाजा खटखटाने से होने वाली आवाज (3)
5. अपराध, कसूर, भूल (2)
8. अठारह पुराणों मे से एक जिसमें सनकादिक ने नारद को संबोधित करके कथा कही है (6)
10. तमगा, मैडल (3)
14. मध्यप्रदेश के अलिराजपुर जिले के तहसील जहां चंद्रशेखर आजाद की जन्म स्थली है (3)
18. तीन, तीसरा (2)
20. आहुति के रूप में दिया हुआ, पूर्व समर्पण किय हुआ (2)
22. राजा का मुकुट, छज्जा (2)

### वर्ग पहेली 6006 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्वी | न | न | | छा | या | | |
| प | ल | क | झ | प | क | ते | |
| | | ब | ल | | | ह | स्त |
| | स | ज | ना | | फ | रा | र |
| क | मा | नी | | सौ | त | न | |
| र | ज | | अ | | ह | | ह |
| | प्रे | र | क | | ना | म | क |
| र | मी | | रा | | मा | म | ला |

रास्ता खोजो...

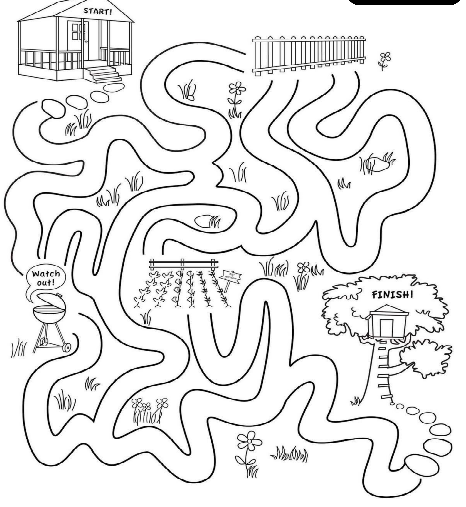


Reliance
AUTHORISED DEALER
Konark
Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

## शरद पूर्णिमा

# इस दिन बरसेगा अमृत

हिन्दू धर्म में पूर्णिमा का काफी महत्व होता है, लेकिन अश्विन माह की पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा को सबसे बड़ी पूर्णिमा माना जाता है। वर्ष 2026 में शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर 2026 को मनाई जाएगी। इस पूर्णिमा को कोजागिरी पूर्णिमा भी कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन अनुष्ठान करना सफल होता है। मान्यता है कि इस दिन चांद के प्रकाश में मौजूद रासायनिक तत्व सीधे धरती पर गिरते हैं और उसकी किरणों के नीचे रखकर किसी खाद्य पदार्थ को खाना सेहत के लिए भी अच्छा होता है। शरद पूर्णिमा से शरद ऋतु का आरम्भ होता है। इस दिन चन्द्रमा संपूर्ण और सोलह कलाओं से युक्त होता है।- इस दिन चन्द्रमा से अमृत की वर्षा होती है, जिससे धन, प्रेम और स्वास्थ्य मिलता है।- इस रोशनी के नीचे खीर बनाकर रखने से और फिर उसको खाने से शरीर को कई तरह के रोगों से मुक्ति मिलती है। प्रेम और कलाओं से परिपूर्ण होने के कारण श्री कृष्ण ने इसी दिन महारास रचाया था।- शरद पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करना चाहिए।- ओम श्रीं ओम और ओम ह्रीं ओम महालक्ष्मये नम- मंत्र का 108 बार जाप करना शुभ माना गया है।

### शरद पूर्णिमा व्रत विधि

पूर्णिमा के दिन सुबह में इष्ट देव का पूजन करना चाहिए।- इन्द्र और महालक्ष्मी जी का पूजन कर घी के दीपक जलाकर उसकी पूजा करनी चाहिए।- ब्राह्माणों को खीर का भोजन कराना चाहिए और उन्हें दान दक्षिणा प्रदान करनी चाहिए।- रात को चन्द्रमा को अर्ध्य देने के बाद ही भोजन करना चाहिए।- मंदिर में खीर आदि दान करने का विधि-विधान है. इस दिन पूर्ण रूप से जल और फल आधारित उपवास रखना या सात्विक आहार ग्रहण करना चाहिए।- इस दिन काले रंग का प्रयोग न करें, चमकदार सफेद रंग के वस्त्र धारण करना बेहतर होगा।

### ये है मान्यता

चांदनी रात में 10 से मध्यरात्रि 12 बजे के बीच कम वस्त्रों में घूमने वाले व्यक्ति को ऊर्जा प्राप्त होती है। शोध के मुताबिक खीर को चांदी के बर्तन में बनाना चाहिए। चांदी में प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। शरद पूर्णिमा की रात दमा रोगियों के लिए वरदान की तरह है। इस रात दिव्य औषधि को खीर में मिलाकर उसे चांदनी रात में रखकर प्रात- 4 बजे सेवन किया जाता है। रोगी को रात्रि जागरण और औषधि सेवन के बाद 2-3 किमी पैदल चलना लाभदायक रहता है। लंकाधिपति रावण भी शरद पूर्णिमा की रात किरणों को दर्पण के माध्यम से अपनी नाभि पर ग्रहण करता था। इससे उसे पुनर्योवन शक्ति प्राप्त होती थी।

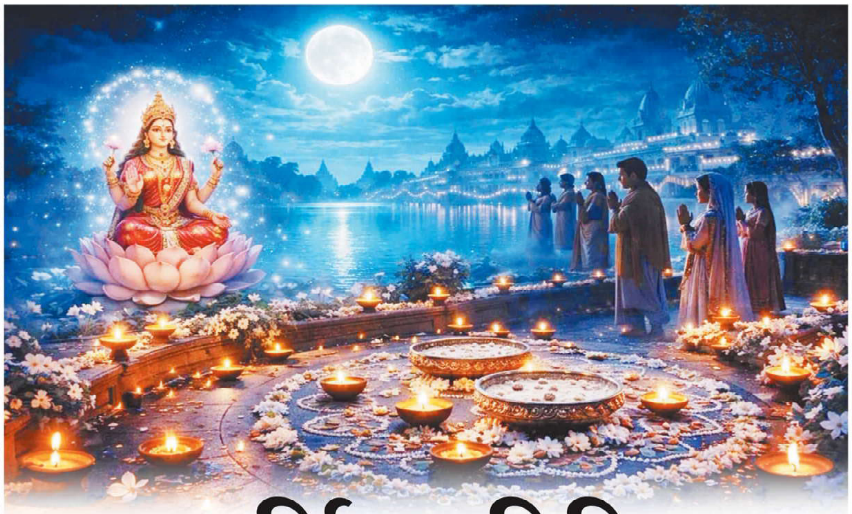

# शरद पूर्णिमा : तिथि, पूजा विधि और खीर का महत्व

**सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि को विशेष पुण्यदायी माना गया है, लेकिन आश्विन मास की पूर्णिमा, जिसे शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, अपने धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व के कारण विशेष स्थान रखती है। शरद ऋतु के आगमन का यह पावन पर्व भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य रासलीला, माता लक्ष्मी की आराधना, चंद्र उपासना और दान-पुण्य से जुड़ा हुआ है।**

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात्रि अत्यंत पवित्र होती है। इस दिन चंद्रमा अपनी पूर्ण आभा के साथ प्रकाशित होता है और चंद्रमा की शीतल चांदनी में साधना, आराधना तथा भगवान का स्मरण करने की परंपरा रही है। यही कारण है कि शरद पूर्णिमा को श्रद्धा, भक्ति और पुण्य-संचय का विशेष अवसर माना जाता है।

### शरद पूर्णिमा का धार्मिक महत्व

शरद पूर्णिमा को लेकर सनातन परंपरा में अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि इस रात्रि चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होकर विशेष रूप से प्रकाशित होता है। सनातन दर्शन में चंद्रमा को मन का कारक माना गया है, इसलिए पूर्णिमा की शीतल चांदनी को मन की शांति और आध्यात्मिक भाव जागृत करने वाली माना जाता है। सोलह कलाओं की मान्यता का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से भी जोड़ा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं से पूर्ण अवतार माना गया है। इसलिए शरद पूर्णिमा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उनके दिव्य स्वरूप के स्मरण का भी अवसर बन जाता है।

### माता लक्ष्मी की आराधना का महत्व

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस पावन रात्रि में माता लक्ष्मी का स्मरण और पूजन करने से घर में सुख, समृद्धि और मंगल का वास होता है। इस दिन श्रद्धालु अपने घर की सफाई करते हैं, संध्या के समय दीप प्रज्वलित करते हैं और विधिपूर्वक माता लक्ष्मी की आराधना करते हैं। कई स्थानों पर रात्रि जागरण की भी परंपरा है। भक्तजन भजन, कीर्तन और भगवान के नाम-स्मरण के माध्यम से रात्रि व्यतीत करते हैं।

### खीर रखने की परंपरा

शरद पूर्णिमा की सबसे प्रसिद्ध परंपराओं में से एक है रात्रि में खीर को चंद्रमा की चांदनी में रखना। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस रात्रि चंद्रमा की किरणों में अमृतमयी प्रभाव होता है। इसी श्रद्धा के कारण दूध और चावल से बनी खीर को खुले आकाश के नीचे रखा जाता है और अगले दिन उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। ब्रज क्षेत्र में खीर के साथ विशेष प्रकार की मिठाई बनाने की भी परंपरा है। श्रद्धालु इसे चंद्रमा की शीतल किरणों के समक्ष रखते हैं और अगले दिन प्रातः प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं।

### शरद पूर्णिमा पर दान का महत्व

सनातन परंपरा में दान को पुण्यकारी कर्म माना गया है। दान केवल धन देने का माध्यम नहीं, बल्कि अपने भीतर त्याग, करुणा और परोपकार की भावना को जागृत करने का साधन भी है। धार्मिक ग्रंथों में पात्र व्यक्ति को श्रद्धापूर्वक दान देने की महिमा का वर्णन मिलता है। कूर्म पुराण में कहा गया है-

**स्वर्गायुर्भूतिकामेन तथा पापोपशान्तये।**
**मुमुक्षुणा च दातव्यं ब्राह्मणेभ्यस्तथाऽऽवहम॥**

अर्थात् स्वर्ग, दीर्घायु और ऐश्वर्य की इच्छा रखने वाले तथा पापों की शांति और मोक्ष की कामना करने वाले व्यक्ति को योग्य पात्रों को श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। दान में भावना और पात्रता को विशेष महत्व दिया गया है। इसलिए शरद पूर्णिमा जैसे पुण्य अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा और अन्नदान को सेवा का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है।

### शरद पूर्णिमा पर करें अन्नदान

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूजा-पाठ और आराधना के साथ अन्नदान एवं सेवा का संकल्प लें। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना उसके प्रति करुणा और मानवता का भाव प्रकट करना है।

### शरद पूर्णिमा और भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला

ब्रजभूमि में शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का दिव्य वर्णन मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शरद पूर्णिमा की पावन रात्रि में वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ दिव्य महारास किया था। भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की मधुर ध्वनि से आकृष्ट होकर गोपियां उनके समीप पहुंचीं और भगवान के साथ दिव्य रास में सहभागी बनीं। सनातन परंपरा में इस रास को सांसारिक नृत्य नहीं, बल्कि जीवात्मा और परमात्मा के दिव्य प्रेम एवं समर्पण के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी कारण ब्रज क्षेत्र में शरद पूर्णिमा की रात्रि विशेष भक्ति, संकीर्तन, रासलीला और श्रीकृष्ण आराधना के साथ मनाई जाती है।

# विशेष गुणकारी, श्रेष्ठ किरणों और औषधियुक्त होती है शरद पूर्णिमा की चांदनी रात

**शरद पूर्णिमा चन्द्रमा की चांदनी विशेष गुणकारी, श्रेष्ठ किरणों वाली और औषधियुक्त होती है। इस चांदनी रात में शीतल चन्द्रमा की रोशनी का लाभ उठाना चाहिए।**

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में बारह पूर्णिमा आती हैं। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होता है। पूर्णिमा पर चंद्रमा का अतुल्य सौंदर्य देखते ही बनता है। विद्वानो के अनुसार पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पूर्ण आकार में होने के कारण वर्ष में आने वाली सभी पूर्णिमा पर्व के समान हैं। लेकिन इन सभी पूर्णिमा में आश्विन मास कि पूर्णिमा सबसे श्रेष्ठ मानी गई है। यह पूर्णिमा शरद ऋतु में आने के कारण इसे शरद पूर्णिमा भी कहते हैं।

- नेत्रज्योति बढ़ाने के लिए दशहरे से शरद पूर्णिमा तक प्रतिदिन रात्रि में 15 से 20 मिनट तक चन्द्रमा को देखकर त्राटक करें।
- जो भी इन्द्रियां शिथिल हो गई हैं उन्हें पुष्ट करने के लिए चन्द्रमा की चांदनी में रखी खीर रखना चाहिए।
- चंद्र देव,लक्ष्मी मां को भोग लगाकर वैद्यराज अश्विनी कुमारों से प्रार्थना करना चाहिए कि 'हमारी इन्द्रियों का तेज-ओज बढ़ाएं।' तत्पश्चात खीर का सेवन करना चाहिए।
- शरद पूर्णिमा अस्थमा के लिए वरदान की रात होती है। रात को सोना नहीं चाहिए। रात भर रखी खीर का सेवन करने से दमे का दम निकल जाएगा।
- पूर्णिमा और अमावस्या पर चन्द्रमा के विशेष प्रभाव से समुद्र में ज्वार-भाटा आता है। जब चन्द्रमा इतने बड़े समुद्र में उथल-पुथल कर उसे कंपायमान कर देता है तो जरा सोचिए कि हमारे शरीर में जो जलीय अंश है, सप्तधातुएं हैं, सप्त रंग हैं, उन पर चन्द्रमा का कितना गहरा प्रभाव पड़ता होगा।
- शरद पूर्णिमा पर अगर काम-विलास में लिप्त रहें तो विकलांग संतान अथवा जानलेवा बीमारी होती है।
- शरद पूर्णिमा पर पूजा, मंत्र, भक्ति, उपवास, व्रत आदि करने से शरीर तंदुरुस्त, मन प्रसन्न और बुद्धि आलोकित होती है।
- इस रात सूई में धागा पिरोने का अभ्यास करने से नेत्रज्योति बढ़ती है।

### खीर का भोग

शरद पूर्णिमा की रात में गाय के दूध से बनी खीर को चंद्रमा कि चांदनी में रखकर उसे प्रसाद-स्वरूप ग्रहण किया जाता है। पूर्णिमा की चांदनी में 'अमृत' का अंश होता है, इस लिये मान्यता यह है कि ऐसा करने से चंद्रमा की अमृत की बूंदें भोजन में आ जाती हैं जिसका सेवन करने से सभी प्रकार की बीमारियां आदि दूर हो जाती हैं। आयुर्वेद के ग्रंथों में भी इसकी चांदनी के औषधीय महत्व का वर्णन मिलता है। रखकर दूध से बनी खीर को चांदनी के में असाध्य रोगों की दवाएं खिलाई जाती है।

# शरद पूर्णिमा के दिन कौन से कार्य नहीं करते हैं

**शरद पूर्णिमा के दिन दूध या खीर पीने और पिलाने का खासा महत्व है। इस दिन कौन से कार्य नहीं करना चाहिए यह जानना भी जरूरी है। आश्विन माह की इस पूर्णिमा के दिन यदि आप वर्जित कार्य करेंगे तो इससे आपकी सेहत और मन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।**

- **भोजन** : इस दिन किसी भी प्रकार के तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। जैसे मांस, मटन, चिकन या मसालेदार भोजन, लहसुन, प्याज आदि।
- **शराब** : इस दिन किसी भी हालत में आप शराब ना पिएं क्योंकि इस दिन शराब का दिमाग पर बहुत गहरा असर होता है। इससे शरीर पर ही नहीं, आपके भविष्य पर भी दुष्परिणाम हो सकते हैं।
- **क्रोध** : इस दिन क्रोध नहीं करना चाहिए। वैज्ञानिकों के अनुसार इस दिन चन्द्रमा का प्रभाव काफी तेज होता है इन कारणों से शरीर के अंदर रक्त में न्यूरॉन सेल्स क्रियाशील हो जाते हैं और ऐसी स्थिति में इंसान ज्यादा उत्तेजित या भावुक रहता है। एक बार नहीं, प्रत्येक पूर्णिमा को ऐसा होता रहता है तो व्यक्ति का भविष्य भी उसी अनुसार बनता और बिगड़ता रहता है।
- **भावना** : जिन्हें मंदाग्नि रोग होता है या जिनके पेट में चय-उपचय की क्रिया शिथिल होती है, तब अक्सर सुनने में आता है कि ऐसे व्यक्ति भोजन करने के बाद नशा जैसा महसूस करते हैं और नशे में न्यूरॉन सेल्स शिथिल हो जाते हैं जिससे दिमाग का नियंत्रण शरीर पर कम, भावनाओं पर ज्यादा केंद्रित हो जाता है। अतः भावनाओं में बहें नहीं खुद पर नियंत्रण रखकर व्रत करें।
- **स्वच्छ जल** : चांद का धरती के जल से संबंध है। जब पूर्णिमा आती है तो समुद्र में ज्वार-भाटा उत्पन्न होता है, क्योंकि चंद्रमा समुद्र के जल को ऊपर की ओर खींचता है। मानव के शरीर में भी लगभग 85 प्रतिशत जल रहता है। पूर्णिमा के दिन इस जल की गति और गुण बदल जाते हैं। अतः इस दिन जल की मात्रा और उसकी स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।
- **लेन-देन** : इस दिन धन का लेन-देन आपको आर्थिक संकट में डाल सकता है। अतः आप किसी भी प्रकार से दन का लेन देन न करें।
- **काले रंग से बचें** : इस दिन काले रंग का प्रयोग न करें और ना ही नकारात्मक बातें सोचे।
- **दान न करें** : इस दिन सूर्यास्त के बाद दान न करें। कहते हैं कि ऐसे करने से घर में गरीबी आती है।
- **बालों में कंघी न करें** : मान्यता अनुसार महिलाएं इस दिन सूर्यास्त के बाद बालों में कंघी न करें, क्योंकि इसे अशुभ माना जाता है।
- **ब्रह्मचर्य का पालन करें** : इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें अर्थात महिला संग शयन न करें।

# कैबिनेट विस्तार से पहले पीएम करेंगे बड़ी बैठक

## सभी मंत्रालयों की सचिवों के साथ होगी यह मीटिंग

### प्रधानमंत्री के पास पहुंचेगा मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बताने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिफार्म एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखाई दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों से उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट ली जाएगी। वह समग्र रिपोर्ट प्रधानमंत्री तक जाएगी, जिसके बाद ईज आफ डूइंग और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं। एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए कार्ययोजनाओं

- **पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी रिपोर्ट**– बताया गया है कि यह रिपोर्ट पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक के बाद कुछ निर्णय किए जा सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी लगातार रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि व्यापार करने में सुगमता के साथ ही ईज आफ लिविंग यानी जीवन जीने में सुगमता शहरों के साथ ही कस्बों और गांवों तक भी पहुंचनी चाहिए। सरकार के इस ताजा प्रयास को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष का आंदोलन इसी थीम पर चल रहा है कि सरकार के प्रति जनता के विश्वास को कम किया जाए। इसी आधार पर रिजीम चेंज जैसे असंवैधानिक दावे भी किए जा रहे हैं।

# मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा संदिग्ध पकड़ाया

- फोन में अतंकी मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था। एटीएस के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली हैं। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया। पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था। एटीएस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्कथे या नहीं। मामले की जांच मुंबई एटीएस की कालाचौकी यूनिट कर रही है।

# केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही नॉनवेज रोका

## लोकभवन के लिए नई गाइडलाइन, विरोध में है सरकार

### कांग्रेस बोली-क्या खाना है, यह यहां के लोग तय करेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और विपक्षी सीपीएम ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सौमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई थी। केरलम में 97 फीसदी लोग मांसाहारी हैं। सबसे ज्यादा नॉन-वेज खाने वाले लोग तेलंगाना में हैं।

### कांग्रेस ने कहा-राज्यपाल ने हद पार कर दी

लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं या बाहर खाना खाते हैं। उनके खाने की पसंद पर कोई रोक नही लगाई है।

# कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन से जुड़े 6 लोग हुए गिरफ्तार

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पार से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बांदीपोरा और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बांदीपोरा-बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। जांचकर्ताओं को एक साल से ज्यादा समय में करीब 7 से 8 लाख के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। मामले में यूएपीए की धारा 10 और 13 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। **जांच की शुरुआत वहीद अहमद भट से हुई**– पुलिस के मुताबिक, जांच कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा निवासी वहीद अहमद भट से शुरू हुई। उसे 2022 में एक सम्मेलन के बाद एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस का दावा है कि कुपवाड़ा जेल में रहने के दौरान भट ने पाकिस्तान में मौजूद बताए गए मंजूर अहमद शाह से दोबारा संपर्क किया। इसके बाद कथित नेटवर्क ने अपनी विचारधारा का प्रचार करने और समर्थन जुटाने के लिए बैठकें आयोजित कीं। जांचकर्ताओं के मुताबिक, करीब 2.26 लाख रुपए बांदीपोरा के डाचीगाम निवासी मुबीना बानो के जे×के बैंक खाते में जमा किए गए। बाकी रकम कथित तौर पर नकद पहुंचाई गई। पुलिस का दावा है कि रकम का कुछ हिस्सा सहयोगियों में बांटा गया।

# हर बूथ पर बढ़ाएं अपनी विचारधारा के वोट

- चुनाव से पहले यूपी सीएम योगी का निर्देश
- विधायकों को अभियान में जुटने के आदेश

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी संगठन और विधायकों को बूथ स्तर पर मोर्चा संभालने के कड़े निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश भर के भाजपा विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को पूरी मुस्तैदी से चलाने का अल्टीमेटम दिया। सीएम ने कहा कि

भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल कराना अनिवार्य है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं के नाम गांवों की सूची में दर्ज हैं और वे अब शहरी इलाकों में रह रहे हैं, तो उनके नाम शहर की मतदाता सूची में ट्रांसफर कराने के लिए अभियान चलाएं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाध्यक्षों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया में केवल खानापूर्ति या लीपापोती नहीं होनी चाहिए। हर पोलिंग बूथ पर पार्टी की विचारधारा से जुड़े समर्थकों का वोट बढ़ाना प्राथमिक कार्य है।

**वैचारिक संगठनों का लें सहयोग, फर्जी मतदाताओं पर कसें शिकंजा**– बैठक के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी सभी जिलाध्यक्षों को मतदाता पंजीकरण अभियान में पूरी ताकत झोंकने को कहा। वहीं, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए निर्देश दिया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए संघ और उसके अनुषांगिक वैचारिक संगठनों का सहयोग लिया जाए। यदि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार के संदिग्ध या फर्जी मतदाता नजर आते हैं, तो संबंधित निर्वाचन अधिकारियों के पास सबूतों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जाए।

# भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ यूएसए में गिरफ्तार

- 30 से ज्यादा मामले दर्ज,2023 में इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था।

# देश में अब डिजिटल क्रांति से बदलेगी किसानों की खेती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2027 तक 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य रखा था लेकिन इसे पांच माह पहले हुए हासिल कर लिया गया है। देश में 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनने पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा है कि आज का दिन भारतीय खेती, कृषि और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।

किसानों को समृद्ध बनाने के लिए टेक्नोलॉजी जरूरी

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, विकसित भारत के लिए, विकसित कृषि और समृद्ध किसान और खेती को विकसित और किसान को समृद्ध बनाने के लिए, आधुनिक टेक्नोलॉजी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि कई तरह की योजनाएं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में किसानों के लिए चल रही हैं। उन योजनाओं का लाभ सही समय पर, सही किसान को मिले, यह भी जरूरी है। इसलिए डिजिटल कृषि मिशन बनाया गया और उस मिशन के अंतर्गत यह तय किया गया कि अब हर किसान की अलग पहचान होगी, फार्मर आईडी बनाई जाएगी।

पीएम मोदी द्वारा तय किए लक्ष्य का किया जिक्र

# तिलक-नीतीश ने न्यूज़ीलैंड के जबड़े से छीनी जीत

### भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, भारत 2-0 से आगेज

**क्राइस्टचर्च।** भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराया। हेगले ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल किया। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 40 रन जोड़े। संजू सैमसन संघर्ष करते नजर आए और वह 17 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक 21 गेंदों में 27 रन बनाने के बाद मिचेल सैंटनर का शिकार बने।

ईशान किशन की जगह पर प्लेइंग इलेवन में शामि किए गए वैभव सूर्यवंशी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा और वह 11 गेंदें खेलने के बाद 7 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। अक्षर पटेल भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और वह 11 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए और वह 17 गेंदों में 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। हालांकि, अंत के ओवरों में नीतीश कुमार रेड्डी और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को जीत दिलाई। तिलक ने 26 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी 13 गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 180 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टिम सीफर्ट 7 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, डेरिल मिचेल 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिन एलन 14 गेंदों में 16 रन बनाकर प्रिंस यादव की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। हालांकि, इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी निभाई।

# प्रतिका रावल की शतकीय पारी

## श्री चरणी का चला जादू, भारतीय टीम ने पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से रौंदा

**वडोदरा।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले वनडे मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जिम्बाब्वे से मिले 198 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने सिर्फ एक विकेट खोकर 27.1 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 15.3 ओवर में 94 रन जोड़े। मंधाना 34 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, प्रतिका ने एक छोर को संभाले रखा और उन्होंने शेफाली वर्मा संग मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। शेफाली ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रतिका ने 96 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली। प्रतिका ने अपनी इस इनिंग में 15 चौके लगाए। शेफाली और प्रतिका ने दूसरे विकेट के लिए मिलकर 70 गेंदों में 106 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। इससे पहले, भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जिम्बाब्वे की ओर से बिलव्ड बीजा ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोरीन फिरी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद मोडेस्टर मुफिकवा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 25 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। चिपो मुगेरी-ट्रिपानो 21 रन बनाकर आउट हुईं। शार्न मेयर्स 8 रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर पवेलियन लौटीं। न्याशा ग्वांजुरा 28 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि चिएड्जा धुरु 10 रन बनाकर क्रांति गौड़ की बेहतरीन गेंद पर क्लीन बोल्ड हुईं। जिम्बाब्वे की चार बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सकीं। गेंदबाजी में भारत की ओर से श्री चरणी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 23 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

# सानिया ने की धमाकेदार वापसी

**मुंबई।** टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पॉडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। खेल, एंटरटेनमेंट और बेबाक बातचीत को एक साथ लाने वाले इस पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में एक्टर सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल नजर आएंगे, जो अपने रिश्ते, शादी और साथ काम करने को लेकर खुलकर बात करते दिखेंगे। पॉडकास्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए सानिया मिर्जा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार पॉडकास्टिंग में हाथ आजमाया, तो मुझे यकीन नहीं था कि मुझे इसमें कितना मजा आएगा, लेकिन समय के साथ-साथ मुझे एहसास हुआ कि ऐसी बातचीत और लोगों को उनकी इमेज से अलग जानना कितना मनोरंजक होता है। सानिया मिर्जा ने दूसरे सीजन की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, 'पहले सीजन की सफलता और दर्शकों के रिस्पॉन्स ने मुझे सीजन-2 के साथ वापस आने की और बड़ी वजह दे दी। मैंने सालों तक टेनिस कोर्ट पर धमाल मचाया है और अब एक पॉडकास्टर के तौर पर अपनी इस नई पारी को एन्जॉय कर रही हूं। इस सीजन में हमारे पास शानदार लाइनअप है और मैं दर्शकों के साथ इन बातचीतों को देखने के लिए उत्सुक हूं।' शो का पहला एपिसोड सानिया के सोनाक्षी और जहीर के साथ पिकलबॉल खेलने से शुरू होगा, जिसमें कपल के सात साल के रिश्ते पर बातचीत होगी। अभिनेत्री सोनाक्षी और उनकी पति जहीर इकबाल साल 2022 में फिल्म 'डबल एक्सल' में साथ नजर आए थे और साइकोलॉजिकल/रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ काम किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। अभिनेत्री सोनाक्षी ने जहीर इकबाल के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'मेरे लिए ऑन स्क्रीन रोमांस करना सबसे मुश्किल काम है।

# ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: फिर खिताब जीतने उतरेगी टीम इंडिया

**नई दिल्ली।** भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चैंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कोचिंग कैंप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे।

बांग्लादेश में होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कंडीशनिंग और मैच की रणनीति पर ध्यान दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का उनके प्रदर्शन, फिटनेस स्तर, तकनीकी कौशल और समग्र तैयारियों के आधार पर आकलन किया गया। बी1 श्रेणी में नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देबराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा और मुकेश कुमार रावत को चुना गया है।

बी2 श्रेणी में दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार और नकुला बडनायक शामिल हैं। वहीं, बी3 श्रेणी में दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक को टीम में जगह मिली है।

सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महांतेश जी. किवादासनवर ने चुने गए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए 17 खिलाड़ियों को बधाई। हर खिलाड़ी ने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। हमें उम्मीद है कि वे भारत की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएंगे और अपना खिताब बचाने में सफल रहेंगे।

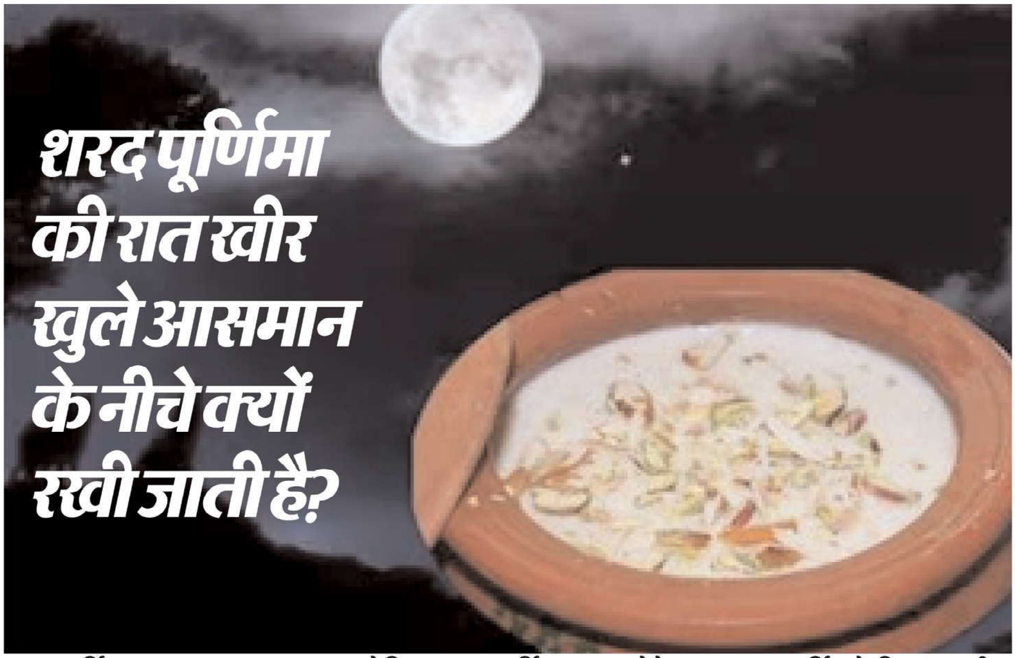

# शरद पूर्णिमा की रात खीर खुले आसमान के नीचे क्यों रखी जाती है?

**शरद पूर्णिमा का व्रत इस साल 25 अक्टूबर को किया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की रोशनी में खीर रखने की परंपरा है। लेकिन., क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों है आइए जानते हैं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,शरद पूर्णिमा की रात क्यों चांद की रोशनी में रखी जाती है खीर। शरद पूर्णिमा का व्रत इस साल 25 अक्टूबर को किया जाएगा। हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात को अधिक पुण्यदायी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण रहते हैं। इस दिन खुले आसमान में खीर रखने का विशेष महत्व बताया गया है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट एस्ट्रोलॉजर से की इस दिन चंद्रमा की रोशनी में खीर रखने का क्या महत्व है। आइए जानते हैं शरद पूर्णिमा की रात खीर खुले आसमान में रखने की परंपरा क्यों है और इसका क्या लाभ है।**

### शरद पूर्णिमा पर खुले आसमान के नीचे खीर रखने की परंपरा क्यों ?

शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की रोशनी में खीर रखने की परंपरा तो सदियों से चली आ रही है। कई लोक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की अमृतमयी किरणें खीर को विशेष गुणों से युक्त कर देती है। इसलिए खीर को रातभर चंदनी की रोशनी में रखकर उसे अगले दिन सुबह स्नान करके प्रसाद के रुप में ग्रहण करना चाहिए।

### शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा और अमृत का क्या है संबंध ?

भारतीय धार्मिक परंपरा में चंद्रमा को शीतलता, मन और अमृत का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं में चंद्रमा की किरणों को अमृततुल्य बताया गया है। शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं में निपुण रहते हैं। इसलिए वह अपनी किरणों के जरिए अमृत की बरसात करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात भगवान कृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास भी किया था। इस कारण इस रात को भक्ति और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। इस दिन कई वैष्णव परंपराओं में इस अवसर पर विशेष पूजा और भजन-कीर्तन किए जाते हैं।

### क्या खीर रखने के पीछे वैज्ञानिक कारण भी है?

चंद्रमा की रोशनी सूर्य के प्रकाश का परिवर्तन है। चांदनी में खीर रखने में उसमें किसी विशेष औषधीय गुण या अमृत के समा जाने का ठोस वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। खीर को ठंडी रात में रखकर तापमान कम हो जाता है। दूध से बनी खीर को रातभर खुले में छोड़ना स्वास्थ्य की दृष्टि से जोखिमपूर्ण हो सकता है, क्योंकि उसमें धूल, कीड़े और सूक्ष्मजीव पहुंच सकते हैं। इसलिए थोड़ा स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें और खीर को किसी हल्के कपड़े और ऊपर से छन्नी को ढक दें ताकी उसमें धूल या कुछ और चीज उसमें गिर न जाएं।

## क्या कहते आपके सितारे

**मेष**

मेष- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए अब जो भी प्रयास करेंगे, तो उसमें आपको सफलता मिलेगी। आपको परिवार के किसी सदस्य से किए हुए वादे को पूरा करना होगा, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं। आपको किसी नए पुरस्कार के मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। ननिहाल पक्ष आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है।

**वृषभ**

वृषभ- आज आपके चारों ओर का वातावरण सुखमय रहेगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से भी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपका यदि कोई सरकारी काम अटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आप आगे आएंगे। संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी होगी। आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा।

**मिथुन**

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपका उलझनों को लेकर मन परेशान रहेगा। वरिष्ठ सदस्य आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी से किसी पारिवारिक मुद्दे को लेकर बातचीत करेंगे। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आप सुख-साधनों में मनोरंजन के काम पर अच्छा खर्च करेंगे। आप बिना सोचे समझे कोई इन्वेस्टमेंट करने से बचें। आपका इनकम के सोर्स बढ़ेंगे।

**कर्क**

कर्क- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। जीवनसाथी की ओर से कोई गिफ्ट मिल सकता है। आपको किसी पुराने इन्वेस्टमेंट से अच्छा लाभ मिलेगा। धन संपत्ति को लेकर आप थोड़ा सोच समझकर चले। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। नौकरी में लोगों को अपने कामों में बदलाव लाने के बारे में सोचना होगा। आपको अपनी संतान से किए हुए बातें को बुरा करना होगा।

**सिंह**

सिंह- आज आपको बिजनेस में डूबा हुआ धन मिलने से खुशी होगी। आपकी योजनाएं काम करेंगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपकी कोई बड़ी डील फाइनल होने की संभावना है। आपको बड़ा टेंडर मिल सकता है। संतान सरकारी नौकरी की तैयारी में काफी मेहनत करेगी। आप किसी बात को लेकर बेवजह क्रोध करने से बचें। वाहनों का प्रयोग भी आपको सावधान रहकर करना होगा, नहीं तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है।

**कन्या**

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी मन की इच्छा की पूर्ति के लिए रहेगा। सामाजिक कार्यक्रम में आपकी अच्छी छवि निखरेगी। आप किसी को धन उधार देने से पहले सोच विचार अवश्य करें। आपको अपने विरोधियों की बातों में आने से बचना होगा। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप किसी नए मकान की खरीदारी के बारे में पूरी जानकारी लेने के बाद ही सौदा करें।

**तुला**

तुला- आज का दिन आपके लिए खर्चों भरा रहने वाला है। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। आपका स्वभाव में चिड़चिड़ापन बना रहेगा। माता-पिता का आपको बड़ा सहयोग मिलेगा। आपको कोई बड़ा ऑर्डर मिलने से आपके बिजनेस को चार चांद लगेंगे। संतान से किए हुए वादे को भी आप आसानी से पूरा कर सकेंगे। आपके परिवार में किसी से कहासुनी होने की संभावना है। संतान नौकरी में कोई बदलाव के बारे में सोच विचारकर सकती है।

**वृश्चिक**

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको आपका रुका हुआ धन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। किसी की कहीसुनी बातों में ना आए। दोस्तों के साथ आप किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आपको अपने कामों को लेकर धैर्य रखकर निपटना होगा। आप किसी बात को लेकर क्रोध न करें। आपकी कोई प्रिय वस्तु खोने की संभावना है।

**धनु**

धनु- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आपको यदि कोई सूचना सुनने को मिले, तो आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाएं। लव लाइफ में आपको अपने साथी से अच्छी बॉन्डिंग रहेगी। आप एक दूसरे को पहले बेहतर जानेंगे। आप अपने बिजनेस में किसी के साथ मिलकर कोई बड़ी डील फाइनल करेंगे। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। आप अपने जरूरी मामले को कल पर टालने से बचें।

**मकर**

मकर- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपके सिरदर्द आदि जैसी समस्या हो सकती है और आप अपनी संतान को कोई बड़ी जिम्मेदारी देने की सोच सकते हैं। आपको अपने भाइयों का बड़ा सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा।

**कुंभ**

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से आप काफी व्यस्त रहेंगे। आपको अपने पारिवारिक मामलों को घर में ही निपटना बेहतर रहेगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। परिवार में किसी वरिष्ठ सदस्य से आपकी बेवजह बहसबाजी होने की संभावना है। आपको अपने किसी रुके हुए काम को पूरा करने की कोशिश करनी होगी।

**मीन**

मीन- आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से घबराना नहीं है। आपके जूनियर कामों में आपका पूरा साथ देंगे। भगवान जी की कृपा आप पर बनी रहेगी। माताजी के स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा टेंशन रहेगी, क्योंकि उनका कोई पुराना रोग उभर सकता है। आपको अपनी इनकम के सोर्स को बढ़ाने के प्रयासों में तेजी लानी होगी।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

T.S.Chandwani
SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
Specialist In :-
Bread, Cake &
Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

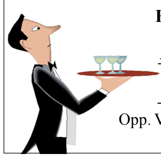
Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

LIVE IN LAP OF LUXURY

RAMDEVI TOWER
MAHARERA- P51700076849
1BHK & 2BHK & COMMERCIAL SHOPS AVAILABLE
Contact:
7770003478
7770003479
Gmail: ramdevitower2024@gmail.com
SITE ADDRESS :
B. K No- 1150,
ROOM NO. 3,4,5,6
POWAI CHOWK,
ULHASNAGAR - 421003.
DIST- THANE

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
**RNI No. 68359/93,**
**( सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा )**
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction

25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
✦ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
✦ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

# मुख्यमंत्री के हाथों नैना में विकास कार्यों का शिलान्यास आज

नवी मुंबई (नि.सं.)। नवी मुंबई विमानपत्तन प्रभाव अधिसूचित क्षेत्र (नैना) और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास सुनियोजित शहरी विकास को रफ्तार देने के लिए रविवार को एक भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है. पनवेल तालुका के शिरढोण स्थित डीपीएस स्कूल के निकट मैदान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कर-कमलों द्वारा विकास कार्यों का शिलान्यास और संपत्ति पत्रों का वितरण रविवार को संपन्न होगा. इस मौके पर राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार सहित कई गणमान्य अतिथि मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

समारोह के दौरान नैना नगर नियोजन योजना (टीपीएस) में शामिल होने वाले भू-स्वामियों को औपचारिक रूप से संपत्ति पत्रक सौंपे जाएंगे. इसके साथ ही क्षेत्र में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विभिन्न नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी जाएगी, जिससे समग्र परिसर के योजनाबद्ध विकास को नई दिशा मिलेगी. हवाई अड्डे तक आवागमन को तेज और निर्बाध बनाने के उद्देश्य से सिडको द्वारा तैयार किए गए महत्वपूर्ण संपर्क बुनियादी ढांचे का लोकार्पण भी इस अवसर पर होगा. इसमें एसबीआर-9 (स्टिल्ट ब्रिज), बीआर-4, बीआर-5 और उरण बाईपास पुल शामिल हैं। इन पुलों के शुरू होने से पुणे, पनवेल, ठाणे और कल्याण की ओर से आने वाले यात्रियों को उलवे, बेलापुर, अटल सेतु, उलवे कोस्टल रोड और आम्र मार्ग से सीधा और सिग्नल-मुक्त संपर्क मिलेगा. इस बेहतर नेटवर्क से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक का सफर बेहद सुगम और समय बचाने वाला साबित होगा. वहीं, उरण बाईपास पुल के चालू होने से उरण शहर और रेलवे स्टेशन के बीच रोजमर्रा की आवाजाही आसान होगी तथा स्थानीय नागरिकों को यातायात जाम से बड़ी राहत मिलेगी।

## नवी मुंबई को मिली आधुनिक कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात

# दिवाली पर सिर्फ हिंदुओं से करें खरीदारी

## नितेश राणे के बयान से गरमाई सियासत

नवी मुंबई (नि.सं.)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने नासिक में होने वाले आगामी कुंभ मेले और दिवाली के अवसर पर व्यापार को लेकर बड़ा बयान देकर एक नई बहस छेड़ दी है. नवी मुंबई के जुईनगर में खाद्य आपूर्ति से जुड़ी 'हर हर' संस्था के एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि कुंभ मेले जैसे पवित्र आयोजनों में गैर-हिंदुओं को व्यापार या दुकान लगाने की अनुमति बिल्कुल नहीं दी जानी चाहिए. इसके साथ ही उन्होंने हिंदू समुदाय से अपील की कि वे दिवाली के त्योहार पर अपनी खरीदारी केवल हिंदू दुकानदारों से ही करें।

नितेश राणे ने कहा कि, कुंभ मेला सनातन हिंदू धर्म का एक अत्यंत भव्य और पवित्र उत्सव है, इसलिए वहां हर दुकान और व्यापारी हिंदू व भगवाधारी ही होना चाहिए. उन्होंने पलटवार करते हुए सवाल किया कि क्या रमजान के समय या मोहम्मद अली रोड जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में किसी हिंदू को दुकान लगाने की अनुमति मिलती है, या उलेमाओं के आयोजनों में काफिरों और हिंदुओं को जाने दिया जाता है? जब वहां ऐसे नियम हैं, तो 90 फीसदी हिंदू आबादी वाले देश में अपने धार्मिक आयोजनों में ऐसी मांग रखने में कुछ भी गलत नहीं है। मंत्री राणे ने आगे कहा कि उनका उद्देश्य हिंदू अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है. उन्होंने आरोप लगाया कि लव जिहाद, लैंड जिहाद और हलाल जिहाद के जरिए जो धन कमाया जाता है, उसका इस्तेमाल हिंदू बहनों की जिंदगी खराब करने और देश में गजवा-ए-हिंद या इस्लामिक राष्ट्र का एजेंडा चलाने के लिए किया जाता है. उन्होंने कहा कि जिहाद को आर्थिक बढ़ावा देने के बजाय अगर हिंदू समाज आपस में व्यापार करेगा और अपने लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा, तो इससे हिंदू राष्ट्र मजबूत होगा. उन्होंने जोर देकर कहा कि वे यह मांग किसी पाकिस्तान या बांग्लादेश में नहीं बल्कि अपने ही देश में कर रहे हैं, इसलिए अपनी संस्कृति और अर्थव्यवस्था की रक्षा करना पूरी तरह से जायज है।

# एसटी बस में रियायती सफर के लिए बड़ी राहत

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी महामंडल) ने महिला यात्रियों और वरिष्ठ नागरिकों को रियायती दरों पर यात्रा करने में होने वाली परेशानियों को देखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के लिए आवेदन करने के बाद मिलने वाली क्यूआर कोड वाली पावती 30 दिनों तक वैध मानी जाएगी। इस अवधि में यात्री पावती के आधार पर एसटी बसों में रियायती टिकट प्राप्त कर सकेंगे। दरअसल, रियायती यात्रा का लाभ लेने के लिए एनसीएमसी कार्ड अनिवार्य किए जाने के बाद कार्ड मिलने में देरी के कारण कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। यात्रियों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए एसटी प्रशासन ने क्यूआर कोड वाली पावती के जरिए अस्थायी रूप से रियायत देने का निर्णय लिया है।

### ई-टिकट मशीन से स्कैन होगा क्यूआर कोड

नई व्यवस्था के तहत एनसीएमसी कार्ड के लिए पंजीकरण कराने वाले यात्रियों को क्यूआर कोड वाली पावती दी जाएगी। बस कंडक्टर अपनी ई-टिकट मशीन से इस क्यूआर कोड को स्कैन कर यात्रियों को नियमानुसार रियायती टिकट जारी कर सकेंगे। यह पावती पंजीकरण की तारीख से 30 दिनों तक ही मान्य रहेगी। इस अवधि में यात्रियों को अपना स्मार्ट कार्ड प्राप्त कर उसे सक्रिय कराना और आवश्यकतानुसार रिचार्ज करना होगा। एसटी प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए भीम ऐप के माध्यम से घर बैठे एनसीएमसी कार्ड रिचार्ज करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। इससे यात्रियों को कार्ड रिचार्ज कराने के लिए बार-बार केंद्रों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

# मुंबई में वायु प्रदूषण बढ़ा : निर्माण कार्यों की धूल, वाहनों का धुआं और औद्योगिक उत्सर्जन प्रमुख कारण

मुंबई (नि.स.)। मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। अमेरिका की वैश्विक पर्यावरण संस्था 'IQAir' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 122 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों की सूची में मुंबई महज एक सप्ताह में पांचवें स्थान से सीधे तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। शहर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए सरकार ने भी इस स्थिति का संज्ञान लिया है। सड़कों पर उड़ने वाली धूल को कम करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने दिए हैं।

मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। शहर में जगह-जगह चल रहे निर्माण कार्य, सड़कों पर जमा धूल, निर्माण स्थलों पर पड़े मलबे के ढेर और खुले में कचरा जलाने से वायु गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। मेट्रो और बुलेट ट्रेन जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण से निकलने वाली धूल भी हवा में घुल रही है। इसके अलावा, औद्योगिक परियोजनाओं और उत्पादन कारखानों से निकलने वाले प्रदूषक भी वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं। कारखानों से उत्सर्जित सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें हवा की गुणवत्ता को खराब करती हैं। शहर में वाहनों की बढ़ती संख्या, यातायात जाम, डीजल से चलने वाले वाहन, पुराने वाहनों का इस्तेमाल और वाहनों का उचित रखरखाव नहीं होना भी प्रदूषण बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। इन सभी कारकों के कारण मुंबई की हवा लगातार प्रदूषित हो रही है।

# आठवें वेतन आयोग की मुंबई में अहम बैठक डीए को बेसिक सैलरी में मिलाने की मांग तेज

मुंबई (नि.स.)। आठवें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं। आयोग ने 22 और 23 अक्टूबर को मुंबई में कर्मचारी संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इससे पहले न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाले आयोग ने दिल्ली, लद्दाख, कोलकाता और बेंगलुरु सहित कई प्रमुख शहरों और केंद्रशासित प्रदेशों में भी बैठकें की थीं। इन बैठकों के दौरान कर्मचारी संगठनों ने फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरी, महंगाई भत्ते (डीए), महंगाई राहत (डीआर) और मूल वेतन में संशोधन की मांगें उठाई हैं। कुछ संगठनों ने यह सुझाव भी दिया है कि महंगाई भत्ता एक निश्चित स्तर तक पहुंचने पर उसे मूल वेतन में शामिल किया जाए। इसके अलावा, भत्तों की गणना के मौजूदा फार्मूले में बदलाव की मांग भी की गई है। हालांकि, इन मांगों पर आठवें वेतन आयोग की अंतिम सिफारिशें अभी सामने नहीं आई हैं। ऐसे में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की नजर आयोग के आगामी फैसलों पर बनी हुई है।

आठवें वेतन आयोग के सामने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, भत्तों तथा पेंशन में संशोधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। फिटमेंट फैक्टर में संभावित बदलाव, डीए को मूल वेतन में शामिल करने और डीआर की समीक्षा की अवधि जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। फिलहाल इन प्रस्तावों को कर्मचारी संगठनों की मांगों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। आयोग इन पर विचार करने के बाद अपनी सिफारिशें देगा, जबकि अंतिम निर्णय केंद्र सरकार को लेना होगा। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को आठवें वेतन आयोग की आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार करना होगा।

# दोहरी नियुक्ति के आरोप में तीनों डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस

भिवंडी (नि.सं.)। आईजीएम उपजिला अस्पताल और भिवंडी निजामपुर शहर मनपा स्वास्थ्य विभाग में संविदा आधार पर डॉक्टरों की कथित दोहरी नियुक्ति का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में सवाल उठने के बाद मनपा स्वास्थ्य विभाग ने तीनों डॉक्टरों डॉ. मोअज्जम खान, डॉ. अब्दुल रहमान और डॉ. सोहन नाईक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। तीनों डॉक्टरों से दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। यह मामला शुक्रवार को हुई मनपा की स्थायी समिति की बैठक में भी उठा। स्थायी समिति के सदस्यों ने डॉक्टरों की नियुक्ति, विभागीय पत्राचार में देरी और प्रशासनिक निगरानी पर अधिकारियों से जवाब मांगा। बैठक में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित पद पर सामान्य वर्ग के डॉक्टर की नियुक्ति का मुद्दा भी उठाया गया।

### पड़ताल के बाद कार्रवाई

इस मामले में मनपा स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर से प्रतिक्रिया लेने के लिए संपर्क किया था। उन्हें मैसेज भेजकर जानकारी लेने का प्रयास किया, परन्तु उन्होंने जानकारी देने के बजाय मोबाइल ही बंद कर दिया था, लेकिन उसके बाद तीनों डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दी गई। उपलब्ध दस्तावेजों के मुताबिक 22 अक्टूबर को डॉ. मोअज्जम खान, डॉ. अब्दुल रहमान और डॉ. सोहन नाईक को नोटिस जारी की गई है। हालांकि उस नोटिस में स्थायी समिति का हवाला दिया गया है. नोटिस में डॉक्टरों से उनकी नियुक्ति और सेवाओं से संबंधित स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है। हालांकि, तीनों डॉक्टरों के जवाब और विभाग की अंतिम जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि दोनों संस्थानों में उनकी नियुक्तियां नियमों के अनुरूप थीं या नहीं।

### 17 महीने से संविदा पर तैनाती

डॉ. मोअज्जम खान की मनपा में संविदा नियुक्ति को लेकर भी सवाल उठाया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह करीब 17 महीने से संविदा आधार पर मनपा में सेवाएं दे रहे हैं। आरोप है कि उनका अनुबंध करीब 6 महीने पहले समाप्त हो गया था, लेकिन इसके बाद भी बिना औपचारिक नवीनीकरण के उनसे सेवाएं ली जाती रहीं। यदि यह तथ्य जांच में सही पाया जाता है तो यह भी जांच का विषय होगा कि अनुबंध समाप्त होने के बाद उनकी सेवाएं किस अधिकारी की अनुमति से जारी रहीं और इस अवधि का मानदेय किस आधार पर जारी किया गया। इसके लिए नियुक्ति आदेश, अनुबंध, उपस्थिति पंजिका, ड्यूटी रोस्टर और भुगतान रिकॉर्ड की जांच अहम होगी।

# सायन फ्लाईओवर 28 महीने बाद खुला

मुंबई (नि.स.)। सायन और धारावी के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली बेस्ट (बेस्ट) बसें करीब 28 महीने बाद सायन रेलवे ओवरब्रिज से फिर दौड़ने लगी हैं। पुल के पुनर्निर्माण कार्य के कारण लंबे समय से बदले हुए मार्गों पर चल रही बेस्ट की 14 बस सेवाओं को अब उनके पुराने रूट पर बहाल कर दिया गया है। इससे सायन, धारावी, कलानगर और माहिम के बीच आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है। 112 साल पुराने सायन रेलवे ओवरब्रिज का पुनर्निर्माण कार्य 30 जून 2024 से चल रहा था। इस दौरान पुल बंद रहने के कारण बेस्ट बसों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जा रहा था। इसके चलते यात्रियों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी और कई स्थानों पर पहुंचने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता था। गुरुवार, 22 अक्टूबर को पुल दोबारा यातायात के लिए खोल दिया गया। इसके बाद बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन उपक्रम (बेस्ट) ने शुक्रवार, 23 अक्टूबर से कई बस सेवाओं के पुराने मार्ग बहाल कर दिए।

# दिवाली पर सड़क और फुटपाथ पर आतिशबाजी की तो दर्ज होगा केस

मुंबई (नि.स.)। आगामी दिवाली के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने पटाखे फोड़ने और अस्थायी पटाखा बिक्री स्टॉल लगाने को लेकर सख्त नियम जारी किए हैं। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी। सड़क से 10 मीटर के भीतर भी पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा सकता है। जारी नियमों के अनुसार, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और न्यायालयों के 100 मीटर के दायरे में पटाखे फोड़ने पर रोक रहेगी। इसके अलावा, सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर आतिशबाजी करने की अनुमति नहीं होगी। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तेज आवाज पैदा करने वाले पटाखों पर प्रतिबंध रहेगा।

नागरिकों से निर्धारित समय के भीतर कम प्रदूषण फैलाने वाले ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल करने की अपील की गई है। त्योहारों और जुलूसों के दौरान लेजर लाइट, अत्यधिक तीव्र प्रकाश और बीम लाइट के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। आयोजनों में ध्वनि स्तर मापने वाले उपकरण रखना अनिवार्य किया गया है। निजी स्थानों पर भी निर्धारित ध्वनि सीमाओं का पालन करना होगा। पुलिस प्रशासन के मुताबिक, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ध्वनि प्रदूषण, पर्यावरण संरक्षण, आपराधिक कानून और विस्फोटक पदार्थों से संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। नागरिक एमपीसीबी के 'महा पर्यावरण' ऐप के माध्यम से भी नियमों के उल्लंघन की शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

# सील बंद फ्लैट का ताला तोड़कर अवैध कब्जा

## पूर्व मालिक और किराएदार के खिलाफ मामला दर्ज

नवी मुंबई (नि.सं.)। खारघर पुलिस थाने में सील किए गए एक फ्लैट का ताला तोड़कर जबरन अवैध कब्जा करने और उसे खाली न करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. इस संबंध में भिवंडी निवासी साहिल रायसिंग जाखड़ की शिकायत पर पुलिस ने फ्लैट के पूर्व मालिक चंद्रशेखर पन्हाले और किराएदार किरण सूर्यवंशी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खारघर के सेक्टर 12 स्थित प्रेरणा सीएचएस के फ्लैट यूनिट नंबर एसएस-आयबी पर शिकायतकर्ता की कंपनी का कानूनी कब्जा था और उसे सील कर ताला लगाया गया था. आरोप है कि पूर्व मालिक चंद्रशेखर पन्हाले ने सील किए गए फ्लैट का ताला तोड़कर वहां किरण सूर्यवंशी नामक महिला को अवैध रूप से रहने के लिए रख दिया और मकान पर अतिक्रमण कर लिया. कंपनी की ओर से किराएदार महिला से बार-बार फ्लैट खाली करने का अनुरोध किया गया, लेकिन उसने घर खाली करने से साफ इनकार कर दिया. इसके अलावा जब पूर्व मालिक पन्हाले से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने भी लगातार टालमटोल की. इस मामले में शिकायतकर्ता के थाने पहुंचते ही शुक्रवार की शाम मामला दर्ज कर लिया गया. खारघर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है।

# विज्ञापनों की नुमाइश के लिए रातों रात पेड़ों के सिर कलम

### कर्मन एडवर्टाइजिंग के घिनौने खेल पर मनपा का शिकंजा

नवी मुंबई (सनी पांडेय)। चंद रुपयों के विज्ञापन चमकाने की अंधी हवस में एक निजी एजेंसी ने शहर के हरे-भरे फेफड़ों पर ही कुल्हाड़ी चला दी. एपीएमसी मार्केट क्षेत्र में होर्डिंग माफिया की यह बेरहम करतूत सामने आई है, जहां अपनी तिजोरियां भरने के लिए प्रकृति के साथ खुली दरिंदगी की गई. तुर्भे-वाशी लिंक रोड पर तीन विशालकाय विज्ञापनों को राहगीरों की नजरों में लाने के लिए कर्मन एडवर्टाइजिंग ने आधी रात के सन्नाटे में 8 से ज्यादा हरे-भरे पेड़ों का बेरहमी से कत्ल कर दिया. नियमों के मुताबिक किसी भी पेड़ का ऊपरी सिरा काटना कानूनन अपराध है, लेकिन होर्डिंग के रास्ते में आ रहे गुलमोहर और पीपल के विशालकाय पेड़ों के न सिर्फ सिर कलम किए गए, बल्कि उन्हें चारों तरफ से काटकर जिंदा ठूंठ में तब्दील कर दिया गया।

चंद सिक्कों के लिए पर्यावरण का गला घोंटने की इस करतूत का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, शहरवासियों का गुस्सा फूट पड़ा और एपीएमसी में हड़कंप मच गया. भारी बवाल के बाद बाजार समिति ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि गुनहगार का नाम सामने होने के बावजूद मनपा और उद्यान विभाग के जिम्मेदार अधिकारी हफ्तों तक फाइलों पर कुंडली मारकर बैठे रहे. आखिरकार जनता के आक्रोश और मीडिया के कड़े रुख के आगे घुटने टेकते हुए तुर्भे विभाग के सहायक आयुक्त सागर मोरे ने कर्मन एडवर्टाइजिंग को कारण बताओ नोटिस थमाया है. नोटिस में दो टूक शब्दों में पूछा गया है कि वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1975 की धारा 21(1) और (2) के तहत कंपनी के खिलाफ सख्त आपराधिक और कानूनी कार्रवाई क्यों न की जाए? साथ ही साफ कर दिया गया है कि कोई लीपापोती वाला जवाब नहीं चला, तो मनपा इस मनमानी पर सीधा कानूनी हथौड़ा चलाएगी।

# खारघर में सीआईएसएफ के 300 रणबांकुरों ने 10 किमी साइक्लोथॉन से जगाई फिटनेस और पर्यावरण की अलख

नवी मुंबई (नि.सं.)। वर्दी के अनुशासन और देश की सुरक्षा के साथ-साथ तंदुरुस्ती और पर्यावरण का बेजोड़ तालमेल शनिवार की सुबह खारघर की सड़कों पर देखने को मिला, जब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ की मुंबई एयरपोर्ट यूनिट के जवानों ने पैडल मारकर स्वस्थ समाज का बिगुल फूंका. खारघर के सिडको सेंट्रल पार्क से शुरू हुई इस 10 किलोमीटर लंबी साइक्लोथॉन में सीआईएसएफ के 300 से अधिक जवानों, अधिकारियों और उनके परिजनों ने जबरदस्त जोश के साथ हिस्सा लिया।

मुंबई एयरपोर्ट के डीआईजी/सीएएसओ दीपक वर्मा ने खुद हरी झंडी दिखाकर इस मुहिम की शुरुआत की और जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूरे 10 किलोमीटर साइकिल चलाकर मिसाल पेश की. मौके पर पत्रकारों से बातचीत में डीआईजी दीपक वर्मा ने कहा कि एएसजी मुंबई की टीम हर साल खारघर में इस साइक्लोथॉन के जरिए आम जनता को पर्यावरण-हितैषी जीवनशैली अपनाने और मुंबई-नवी मुंबई में 'साइकिलिंग कल्चर' को जिंदा करने का पैगाम देती है. उन्होंने बताया कि शुरुआत में 250 जवानों और 50 परिजनों की भागीदारी का लक्ष्य था, मगर जवानों और उनके परिवारों के उत्साह ने इस आंकड़े को भी पीछे छोड़ दिया. डीआईजी वर्मा ने खेल भावना पर जोर देते हुए कहा कि मैदान में जीत-हार सिर्फ एक प्रक्रिया है, असली जीत उस जुनून की है जिसके साथ सबने इस मुहिम में अपनी भागीदारी निभाई. कार्यक्रम के समापन सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का गर्मजोशी से सम्मान किया गया. वहीं आयोजन को चाक-चौबंद और सुरक्षित बनाने में रीढ़ की हड्डी बनी नवी मुंबई पुलिस, सिडको प्रशासन और सहयोगी विभागों का दिल से आभार जताया गया।

## आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं रेखा हरेशलाल टेकचंदानी आम जनता को सूचित करना चाहती हूॅ कि श्रीमती गोपीबाई रामचन्द टेकचंदानी ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक्क-वास्ता मुझे नोटरी गिफ्ट डीड सीरियल नंबर 3402/2010, दिनांक 26/7/2010 के माध्यम से सौंपा है। प्रापर्टी का विवरण है- फ्लेट नंबर 403, 4था माला, कुन्दन कॉटेज, यू नंबर 114, शीट नंबर 84, उल्हासनगर-1 उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 15एआई017785600 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं रेखा हरेशलाल टेकचंदानी अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रही हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

**सही- रेखा हरेशलाल टेकचंदानी।** (U)

## आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं जया गोपाल वलेच्छा आम जनता को सूचित करना चाहती हूॅ कि श्रीमती न्यासा हनीश पहुजा (कु. मोना गोपाल वलेच्छा), श्री रोशन गोपाल वलेच्छा ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक्क-वास्ता मुझे नोटरी रिलीज डीड सीरियल नंबर 1115, दिनांक 21/10/2026 के माध्यम से सौंपा है। प्रापर्टी का विवरण है:- फ्लेट नंबर 102, पहला माला, चन्दन अपार्टमेंट, रूम नंबर 576, बैरक नंबर ए-96, उल्हासनगर-1 उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 13बीआई015542700 (पार्ट) है।

उक्त प्रापर्टी को मैं जया गोपाल वलेच्छा अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रही हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफनेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

**सही:- जया गोपाल वलेच्छा।** (U)

## आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं राजेश बलुराम साधवानी आम जनता को सूचित करना चाहता हूॅ कि श्रीमती पुष्पा बलराम साधवानी, संध्या रामचंद आयलानी (कु. ज्योति बलुमल साधवानी), श्रीमती सविता राजेश माखीजा (शोभा बलुमल साधवानी) ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक्क-वास्ता मुझे नोटरी रिलीज डीड सीरियल नंबर 1099, 20/10/2026 के माध्यम से सौंपा है। प्रापर्टी का विवरण है:- रूम नंबर 7, बैरक नंबर बी-308, उल्हासनगर-3, उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 20बीआई019107100 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं राजेश बलुराम साधवानी अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफनेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

**सही:- राजेश बलुराम साधवानी।** (U)

## आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं सुषमा जयराम दामेजा आम जनता को सूचित करना चाहती हूॅ कि श्रीमती अनिषा जयराम दामेजा व श्रीमती अनु मोहित बजाज (कु. अनु जयराम दामेजा) ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक्क-वास्ता मुझे नोटरी रिलीज डीड सीरियल नंबर 1110, दिनांक 21/10/2026 के माध्यम से सौंपा है। प्रापर्टी का विवरण है:- शॉप, बैरक नंबर 530 के पास, सीरू चौक (पॉर्शन), उल्हासनगर-2 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 23बीआई017725400 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं सुषमा जयराम दामेजा अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रही हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफनेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

**सही:- सुषमा जयराम दामेजा।** (U)

## आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं सोनामंती सर्वेश शर्मा आम जनता को सूचित करना चाहती हूॅ कि मैंने श्री अमित सुरेशचंद त्रिपाठी से उनकी मालकी वाली प्रापर्टी का सौदा नोटरी सेल एग्रीमेंट सीरियल नंबर 1073, दिनांक 19/10/2026 के माध्यम से किया है। प्रापर्टी का विवरण है:- रूम, बैरक नंबर 735 के पास, वडार कॉलोनी, उल्हासनगर-2 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 25बीओ017360100 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं सोनामंती सर्वेश शर्मा अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रही हूॅ। अतः इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफनेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

**सही:- सोनामंती सर्वेश शर्मा।** (U)